



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 463]
No. 463]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, दिसम्बर 1, 1983/अग्रहायण 10, 1905
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1983/AGRAHAYANA 10, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
(परिवहन पक्ष)

अभिज्ञान

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1983

मा० का० नि० 875 (अ) —केंद्रीय सरकार, सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) की धारा 44 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और दिल्ली परिवहन निगम (सदस्य) नियम, 1973 का अतिक्रमण करते हुए और उन बातों के सिद्धांतों पर ऐसे अतिक्रमण से पूर्व कां गई हो या करने से हटा दी गई है जिन नियमों के बनाने का प्रस्ताव करती है उन का निम्नलिखित प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा 44 की उपधारा (1) द्वारा यथापेक्षित ऐसे सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके हित प्रभावित होने की संभावना है और एतद्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त प्रारूप पर उस तारीख से 30 दिनों के बाद विचार किया जाएगा जिस तारीख को यह प्रारूप सर्वसाधारण का ज्ञान करार के लिए राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाता है।

यदि किसी व्यक्ति से ऊपर निर्दिष्ट अधि से पूर्व उक्त नियमों के इस प्रारूप के विषय में कोई आपेक्ष या सुझाव प्राप्त होता है तो सचिव, नौवहन और परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली 31-12-83 को उस पर विचार करेंगे।

नियमों का प्रारूप

1. संक्षिप्त नाम और प्रारूप प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का नाम दिल्ली परिवहन निगम (निदेशको का बोर्ड) नियम 1983 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. परिभाषा — इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षा न हो—

(क) “अधिनियम” सड़क परिवहन निगम अधिनियम, 1950 (1950 का 64) अभिप्रेत है,

(ख) “बोर्ड” से दिल्ली परिवहन निगम का निदेशको का बोर्ड अभिप्रेत है,

(ग) “अध्यक्ष” से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है,

- (घ) "निगम" से दिल्ली परिवहन निगम अभिप्रेत है,
- (ङ) "निदेशक" से बोर्ड का सदस्य अभिप्रेत है,
- (च) "उपाध्यक्ष" से बोर्ड का उपाध्यक्ष अभिप्रेत है
- (छ) "प्रबंध निदेशक" से निगम का प्रबंध निदेशक अभिप्रेत है।

3. बोर्ड का गठन :—बोर्ड में एक अध्यक्ष और निम्न-लिखित निदेशक होंगे जो केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किए जाएंगे, अर्थात् :—

- (क) निगम का प्रबंध निदेशक,
- (ख) पांच अधिकारी,
- (ग) पांच व्यक्ति जिन में से—
- (1) एक नई दिल्ली म्यूनिसिपल कमिटी का प्रतिनिधि होगा जो उस कमिटी के सदस्यों में से ही कमिटी द्वारा मनोनीत किया जाएगा।
- (2) एक दिल्ली महानगर परिषद का प्रतिनिधि होगा जो परिषद द्वारा अपने सदस्यों में से ही चुना जाएगा,
- (3) एक दिल्ली नगर निगम का प्रतिनिधि होगा जो निगम द्वारा अपने सदस्यों में से ही चुना जाएगा।
- (4) दो व्यक्ति वे होंगे जो केन्द्रीय सरकार मनोनीत करेगी।

4. कार्यकाल :—प्रबंध निदेशक या अध्यक्ष जैसी भी स्थिति हो, को छोड़ कर एक निदेशक का कार्यकाल, उसकी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के लिए होगा और वह पुनः नियुक्ति का पात्र होगा।

फिर भी यह भी नियम 3 के खंड (ग) के उपखण्ड (1) उपखण्ड (2) या (3) के अन्तर्गत नियुक्त व्यक्ति यदि नई दिल्ली म्यूनिसिपल कमिटी या दिल्ली महानगर परिषद या दिल्ली नगर निगम का, जैसी भी स्थिति हो, सदस्य नहीं रहता तो वह निगम के बोर्ड का निदेशक भी नहीं रहेगा।

5. आकस्मिक रिक्तियां भरना :—निगम के बोर्ड में जब कभी कोई आकस्मिक रिक्ति होती है, तो केन्द्रीय सरकार इसे भरने के लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त कर सकती है।

6. गणपूर्ति (कोरम) :—निगम का बोर्ड की बैठक में कोरम बनाने के लिए निदेशकों की अपेक्षित संख्या चार होगी जिनमें अध्यक्ष भी शामिल है।

7. निदेशकों को भत्ते :—नियम 3 के खंड (ख) के अन्तर्गत नियुक्त निदेशक अवैतनिक रूप से कार्य करेगा और वह अधिनियम की धारा 12 के अन्तर्गत नियुक्त बोर्ड की या बोर्ड की समितियों की (एतदपश्चात् इस नियम में जिसे समिति कहा गया है) किसी बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र से बाहर जाता है तो वह वही टी.ए./डी. ए. प्राप्त करने के हकदार होगा जो केन्द्रीय सरकार के अधिकारियों को नियमानुसार मिलते हैं।

(2) नियम 3 के खण्ड (ग) के अन्तर्गत नियुक्त निदेशक बोर्ड की प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए 50/- रु० (पचास रुपए) और बोर्ड की समिति की प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए 40/- रु० (चालीस रुपए) शुल्क के रूप में प्राप्ति करने का हकदार होगा।

फिर यह भी कि यदि कोई निदेशक बोर्ड की बैठक में और समिति की बैठक में एक ही दिन भाग लेता है तो वह इन बैठकों में भाग लेने के लिए केवल 50/- (पचास रुपए) पाने का ही हकदार होगा।

फिर यह भी कि ऐसे निदेशक को किसी एक महीने के दौरान शुल्क की कुल देय राशि तीन सौ रुपए से अधिक नहीं होगी।

(3) नियम 3 के खंड (ग) के अन्तर्गत नियुक्त निदेशक यदि बोर्ड या समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिए दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र से बाहर जाता है तो वह उन्हीं शर्तों और दरों पर यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा जो ग्रुप 'ए' में उच्चतर रैंक के केन्द्रीय सरकार के अधिकारी को स्वीकार्य होते हैं।

4. यात्रा भत्ते और दैनिक भत्ते या दोनों ही भत्तों के बिल पर, लेखा परीक्षा के लिए और भुगतान के लिए भेजने से पूर्व निदेशक प्रति हस्ताक्षर स्वयं करेगा।

8. हवाई जहाज द्वारा यात्रा :—अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक, जैसी भी स्थिति हो, अपने विवेकानुसार और अन्य निदेशक, अध्यक्ष या प्रबंध निदेशक की जैसी भी स्थिति हो, पूर्वानुमति से अधिनियम के अन्तर्गत अपना कर्तव्य निभाने के लिए हवाई जहाज से यात्रा कर सकते हैं।

9. बोर्ड के सहयोजित व्यक्तियों का पारिश्रमिक :—

(1) अधिनियम की धारा 1.0 के अन्तर्गत बोर्ड में सहयोजित कोई व्यक्ति (एतदपश्चात् इस नियम में जिसे "सहयोजित व्यक्ति" कहा गया है) या तो अवैतनिक रूप से कार्य करेगा या पारिश्रमिक के आधार पर कार्य करेगा। यह पारिश्रमिक जैसा कि बोर्ड केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से निश्चित करें, जो प्रतिमाह 100/- रुपए या प्रतिदिन 50/- रुपए से अधिक नहीं होगा।

(2) सहयोजित व्यक्ति—

(क) यदि केन्द्रीय सरकार या कानून के अन्तर्गत स्थापित किसी निगम में सेवारत है, तो वह वही यात्रा भत्ता और दैनिक भत्ता पाने का हकदार होगा जो उसे सरकार या निगम के अधिकारी होने के रूप में, संबंधित नियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य होता, बशर्ते कि वह ये भत्ते मूल नियोक्ता से प्राप्त नहीं करेगा।

[फा० न० टी० जी० डी० (27)/83]

गोविन्द जी मिश्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT**(Transport Wing)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 1st December, 1983

G. S. R. No. 875(E).—The following draft of the rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 of 1950), and in supersession of Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973 except as respects things done or omitted to be done before such supersession, is hereby published as required by sub-section (1) of section 44 of the said Act, for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of 30 days from the date on which the Gazette copy containing the said draft rules is made available to the general public.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft rules, before the period specified above, will be considered by the Secretary, Ministry of Shipping and Transport, Government of India, New Delhi on 31st December, 1983.

DRAFT RULES

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Board of Directors) Rules, 1983.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Road Transport Corporation Act, 1950 (64 of 1950).
- (b) "Board" means the Board of Directors of the Delhi Transport Corporation.
- (c) "Chairman" means the Chairman of the Board.
- (d) "Corporation" means the Delhi Transport Corporation.
- (e) "Director" means a member of the Board.
- (f) "Vice-Chairman" means the Vice-Chairman of the Board.
- (g) "Managing Director" means the Managing Director of the Corporation.

3. Composition of Board.—The Board shall consist of a Chairman and the following Direc-

tors to be appointed by the Central Government, namely :—

- (a) the Managing Director of the Corporation;
- (b) five officials; and
- (c) five persons of whom—
 - (i) one shall be a representative of the New Delhi Municipal Committee nominated by that Committee from among the members of that Committee;
 - (ii) one shall be a representative of the Metropolitan Council of Delhi elected from among themselves by the members of that Council;
 - (iii) one shall be a representative of the Municipal Corporation of Delhi elected from among themselves by the members of that Corporation;
 - (iv) two shall be persons nominated by the Central Government.

4. Term of office.—The term of office of a Director, other than the Managing Director or the Chairman as the case may be, shall be for a period of three years from the date of his appointment and he shall be eligible for reappointment:

Provided that a person appointed under sub-clause (i) or sub-clause (ii) or sub-clause (iii) of clause (c) of rule 3 shall cease to be a Director of the Board of the Corporation if he ceases to be a member of the New Delhi Municipal Committee or the Metropolitan Council of Delhi or the Municipal Corporation of Delhi, as the case may be.

5. Filling of casual vacancies.—Where casual vacancy occurs in the Board of the Corporation, the Central Government may appoint a person to fill the casual vacancy.

6. Quorum.—The number of Directors necessary to constitute a quorum at a meeting of the Board of the Corporation shall be four including the Chairman.

7. Allowances to Directors:—(i) A Director appointed under clause (b) of rule 3 shall hold office in an honorary capacity and shall be governed by the rules applicable to Central Government officials for the purposes of entitlement of T. A. and D. A. for any journey performed by him outside the Union territory of Delhi for attending any meetings of the Board or of the committees of the Board, appointed under section 12 of the Act (hereinafter referred to as the committee in this rule).

(2) Director appointed under clause (c) of rule 3 shall be entitled to a fee of fifty rupees for attending each meeting of the Board and to a fee of forty rupees for attending each meeting of a committee of the Board.

Provided that where any such Director attends on the same day a meeting of the Board and a meeting of the Committee, he shall be entitled only to a fee of fifty rupees for attending such meetings.

Provided further that the aggregate amount of the fee payable to such Director during any month shall not exceed three hundred rupees

(3) If a Director appointed under clause (c) of rule 3 performs any journey to a place outside the Union territory of Delhi for attending any of the meetings of the Board or of the committees, he shall be entitled to draw travelling and daily allowances at the scale and on the conditions admissible to a Central Government officer of the higher rank in Group A.

(4) A bill for travelling allowance or daily allowance or both shall be countersigned by the Director himself before such bill is submitted for audit and payment.

8. Travel by Air.—The Chairman or the Managing Director, as the case may be, at his discretion and other Directors with the previous permission of the Chairman or the Managing Director, as the case may be, may travel by air in discharge of their duties under the Act.

9. Remuneration to persons associated with the Board.—(1) A person associated with the Board under, Section 10 of the Act (hereinafter in this rule referred to as "the associated person") may either work in an honorary capacity or be paid such remuneration, not exceeding one thousand rupees per mensem, or fifty rupees per diem, as the Board may, with the approval of the Central Government, determine.

(2) The associated person—

- (a) if he is in the service of the Central Govt. or of any Corporation established by law, shall be entitled to draw such travelling and daily allowances as may be admissible to him under the rule governing him as a servant of that Government or such Corporation subject to the conditions that he shall not draw such allowances from his principal employer.

[F. No. TGD(27)/83]

G. J. MISRA, Joint Secy.